Date :- 04-04-2025

Dainik Bhaskar, Page-02, Surat

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट • तापी नदी पर मेट्रो ब्रिज निर्माण मानसून से पहले जून तक पूरा करने का लक्ष्य

तापी का बहाव न रुके, इसलिए 20 मी. ऊंचा होगा मेट्रो ब्रिज, पिलर पर 50 मी. लंबे आठ स्पान लगेंगे

▪ मेट्रो रेल ब्रिज का कार्य तेज रफ्तार से चल रहा है।

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

तापी नदी पर मेट्रो रेल ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। तापी के स्वाभाविक जलप्रवाह में कोई रुकावट न आए, इसके लिए यह ब्रिज जलस्तर से 20 मीटर ऊंचा होगा। इसमे 25 के बजाय 50 मीटर लंबे 8 स्पान लगाए जाएंगे। ब्रिज में कुल 144 बॉक्स सेग्मेंट लगेंगे। इस पुल के निर्माण में विशेष सावधानी बरती जा रही है। नदी के ऊपर 50 मीटर लंबे स्पान का चयन किया गया है, जबकि अन्य स्थानों पर 20 से 25 मीटर के स्पान का उपयोग किया जा रहा है। स्पान का निर्माण सेगमेंटल बॉक्स गिडर्स के माध्यम से किया जाएगा। इस संरचना की लॉन्चिंग गिडर पद्धति का उपयोग करके स्थापित किया जाएगा। ब्रिज के पिलर बनाने का काम चल रहा है। बता दें कि यह ब्रिज सूरत मेट्रो रेल परियोजना के मेट्रो लाइन कॉरिडोर-2 के लिए किया जा रहा है। इसे टेक्सटाइल कॉरिडोर भी कहा जाता है। यह कॉरिडोर सूरत शहर के पूर्व और पश्चिम भाग को जोड़ने का काम करेगा। मेट्रो का कार्य तेज रफ्तार से चल रहा है।

तकनीक: ब्रिज पर गिडर पद्धति से 144 बॉक्स सेगमेंट की लॉन्चिंग जाएगी

तापी मेट्रो ब्रिज की खासियत

- 350 मीटर लंबा होगा।
- 8 स्पान ब्रिज पर लगेंगे।
- 50 मीटर लंबा होगा एक स्पान।
- 20 मीटर ऊंचा होगा जलस्तर से।

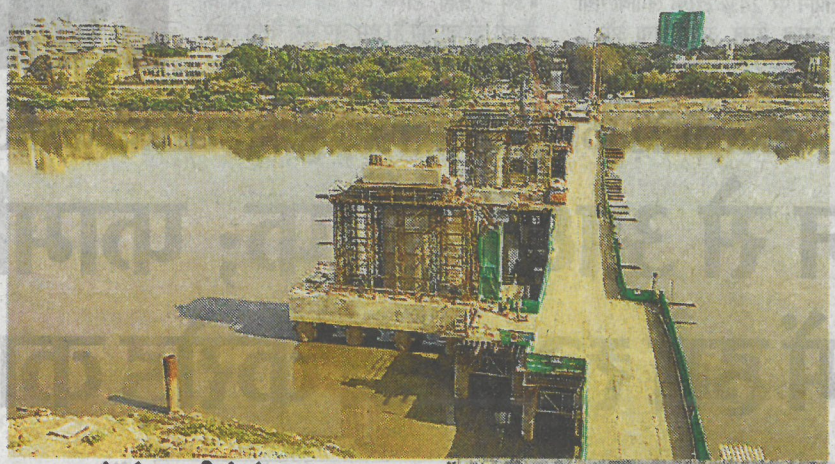

अडाजन के प्रेमावती से लेकर अठवा चौपाटी तक लंबा होगा तापी मेट्रो ब्रिज

तापी नदी का मेट्रो रेल ब्रिज आम रोड ब्रिज से 5 से 7 मीटर ऊंचा होगा। मेट्रो का यह रूट एलिवेटेड है, इसलिए अलाइनमेंट के हिसाब से यह तापी पर भी इसी ऊंचाई पर बनेगा। यह ब्रिज जलस्तर से 20 मीटर ऊंचा होगा। मेट्रो रेल के अधिकारियों ने बताया कि यह ब्रिज अडाजण के प्रेमावती से लेकर अठवा चौपाटी के बीच बनाया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

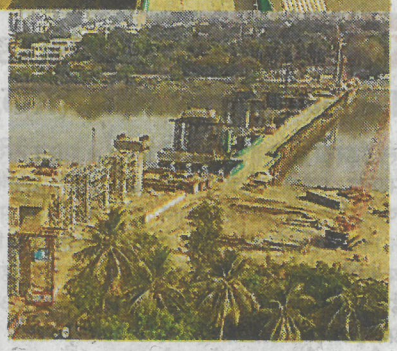

सेगमेंट्स स्थापित करने के लिए अस्थायी जेटी बनाई गई

तापी नदी पर बनने वाले ब्रिज के लिए कुल 144 बॉक्स सेगमेंट्स का उपयोग किया जाएगा। इन सेगमेंट्स को नदी के ऊपर स्थापित करने के लिए एक अस्थायी जेटी का निर्माण किया गया है, जो बिना नदी के जल प्रवाह में कोई रुकावट डाले, नींव कार्य को पूरा करने में मदद करेगी। जेटी के माध्यम से नदी के किनारे से पुल निर्माण के लिए आवश्यक सामग्री और उपकरणों की ढुलाई सुनिश्चित की जा रही है।

ब्रिज के किसी भी काम से पर्यावरण को नुकसान नहीं

सूरत मेट्रो रेल प्रशासन ने बताया कि इस मेट्रो रेल ब्रिज परियोजना की समय सीमा निर्धारित कर दी गई है। यह ब्रिज जून 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा, ताकि मानसून में काम में रुकावट न आए। काम की गति और प्रभावी योजना से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ब्रिज का कोई भी निर्माण कार्य तापी नदी के प्राकृतिक प्रवाह में रुकावट नहीं डाले। साथ ही पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं होगा। 18 किमी लंबे एलिवेटेड रूट का काम तेजी से चल रहा है।